January 2026

भाषा विवि में हुआ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन रोबोटिक्स, ऑटोमेशन एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग का आयोजन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन रोबोटिक्स, ऑटोमेशन एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ICRAME 2026) का उद्घाटन सत्र आज भव्य रूप से संपन्न हुआ। 30-31 जनवरी को आयोजित यह दो दिवसीय वैश्विक आयोजन रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं को एक साथ ला रहा है, ताकि भविष्योन्मुखी तकनीकों पर विचार-विमर्श हो सके। उद्घाटन सत्र विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा और मुख्य अतिथि एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर जे.पी. पांडेय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ हुआ। सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से पौधा भेंट और बैच लगाकर स्वागत किया गया। सम्मेलन के आयोजक एवं मुख्य संयोजक डॉ. एस.ए. रिजवी ने स्वागत भाषण में भारत में रोबोटिक्स और ऑटोमेशन तकनीकों की तेजी से उभरती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷यह सम्मेलन न केवल नवीनतम अनुसंधान को प्रदर्शित करेगा, बल्कि उद्योग-अकादमी साझेदारी को मजबूत कर उत्पादकता और नवाचार को बढ़ावा देगा।÷ मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. पांडेय ने अपने संबोधन में रोबोटिक्स और ऑटोमेशन को 'भविष्य की औद्योगिक क्रांति का आधार' बताया। उन्होंने कहा, ÷ऑटोमेशन उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।÷ प्रो. पांडेय ने आइंस्टीन के प्रसिद्ध सूत्र का हवाला देते हुए तकनीकी शिक्षा में मौलिक सिद्धांतों की सीख पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने क्वांटम कंप्यूटिंग की भविष्य की प्रासंगिकता, चुनौतियों और रोबोटिक्स में इसके संभावित अनुप्रयोगों पर विस्तृत चर्चा की। सम्मेलन के अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने ICRAME 2026 को 'तकनीकी विचारों का वैश्विक आदान-प्रदान मंच' करार दिया। उन्होंने स्वायत्त प्रणालियों, एआई-आधारित नियंत्रण प्रणालियों स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और एकीकृत प्रौद्योगिकियों के सतत विकास में योगदान पर प्रकाश डाला। प्रो. तनेजा ने कहा, ÷यह सम्मेलन न केवल तकनीकी प्रगति को गति प्रदान करेगा, बल्कि भारत को वैश्विक रोबोटिक्स हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन में 6 से अधिक देशों से आए 75 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो मशीन विजन (Machine Vision), ह्यूमन-रोबोट इंटरैक्शन (Human-Robot Interaction), सस्टेनेबल मैकेनिकल डिजाइन (Sustainable Mechanical Design), एआई एकीकरण और औद्योगिक ऑटोमेशन जैसे उन्नत विषयों पर केंद्रित हैं। आयोजक डॉ. एस.ए. रिजवी ने बताया कि यह आयोजन उद्योग-अकादमी सहयोग को सशक्त बनाने और युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है। उद्घाटन समारोह का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग निदेशक डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी ने किया, जबकि कार्यक्रम का सुचारू संचालन डॉ. नोरज शुक्ला ने किया। इस अवसर पर प्रो. मसूद आलम, प्रो. सौबान सईद, प्रो. चंदना डे, डॉ. उन्नीकृष्णन, डॉ. वीरेंद्र कुमार पटेल सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

January 2026

जागरण सिटी लखनऊ
लखनऊ, 29 जनवरी, 2026 दैनिक जागरण

जुलाई से पांच नए पाठ्यक्रमों में होंगे प्रवेश

भाषा विश्वविद्यालय की बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में तैयार कोर्सों को मिली मंजूरी

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आगामी 2026-27 सत्र से पांच नए पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तैयारी शुरू कर दी है। इनमें बी.ए साइकोलाजी, बी.ए अवधी, एम.ए संस्कृत, एम.टेक बायोटेक्नोलाजी और एम.टेक सिविल इंजीनियरिंग शामिल है। संबंधित विभागों ने इसका पाठ्यक्रम तैयार करके अपनी बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक से पास कर दिया है। अब चार फरवरी को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कोर्स और पांच फरवरी को वित्त समिति की बैठक में इनकी फीस और सीट संबंधी प्रस्ताव मंजूरी के लिए रखा जाएगा। अंतिम अनुमोदन फरवरी के अंत में होने वाली कार्य परिषद में दिया जाएगा।

भाषा विश्वविद्यालय में अभी स्नातक और परास्नातक में करीब 65 पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिनमें कई में प्रवेश परीक्षा और बाकी में मेरिट से प्रवेश का प्रविधान है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि विश्वविद्यालय में अभी एम.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग व एम.टेक कंप्यूटर साइंस कोर्स चलता है। अब एम.टेक में दो नए कोर्स सिविल इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलाजी की पढ़ाई शुरू होगी। इसे 20-20 सीटों से शुरू करने की योजना है। वहीं, तीन अन्य नए भी शुरू होंगे।

एआइ फाउंडेशन कोर्स : कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय बी.टेक व एम.टेक एआइ कोर्स चलाता है। अब एआइ का फाउंडेशन कोर्स शुरू करने की योजना है। वैल्यू एडेड कोर्स के रूप में इसे हर विद्यार्थी पढ़ सकेगा ताकि एआइ के बारे में जान सके। इसके अलावा एआइ के प्रयोग कहां-कहां किए जा सकते हैं, इस दिशा में रोडमैप भी बनाया जाएगा।

वेब टेक्नोलाजी, एआइ और साइबर सुरक्षा में दक्ष बनेंगे विद्यार्थी

जासं • लखनऊ : नेशनल पीजी कालेज के विद्यार्थी डिजिटल रैंकअप टेक्नोलाजीज प्राइवेट लिमिटेड पात्र विद्यार्थियों को वेब टेक्नोलाजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा साइंस, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स एवं अन्य उभरते क्षेत्रों में दक्ष बनेंगे। इसके लिए कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर देवेंद्र कुमार सिंह ने डिजिटल रैंकअप टेक्नोलाजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। कंपनी पात्र विद्यार्थियों को चयनित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 75 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति भी देगी।

कालेज ने दो अन्य एमओयू भी किए हैं।

प्राचार्य ने बताया कि सीईएसआइएम प्राइवेट लिमिटेड व्यवसायिक माइक्रो-सिमुलेशन माड्यूल, सिमुलेशन टूल्स, वीडियो ट्यूटोरियल्स, शिक्षण नोट्स एवं एआइ-आधारित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे विद्यार्थी कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक व्यावसायिक परिस्थितियों में लागू कर सकेंगे। रोटरी क्लब आफ लखनऊ वेस्ट के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में सामुदायिक सेवा एवं जनसंपर्क गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन से जुड़े अनुभव प्राप्त होंगे। वहीं, दूसरी ओर प्रबंधन अध्ययन संकाय के छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक स्मार्ट कंप्यूटर प्रयोगशाला की सुविधा मिल गई। इसका उद्घाटन कालेज के प्रबंधक उज्जवल रमण सिंह और प्राचार्य प्रोफेसर देवेंद्र कुमार सिंह ने किया।

निर्धन छात्र निधि के लिए आवेदन शुरू, 15 फरवरी तक मौका

जासं • लखनऊ : नेशनल पीजी कालेज अपने यहां अध्ययनरत गरीब छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने निर्धन छात्र निधि (पुअर ब्वायज फंड) योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राचार्य प्रोफेसर देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सत्र 2025-26 में पढ़ने वाले ऐसे विद्यार्थी, जिनकी कुल पारिवारिक आय दो लाख रुपये वार्षिक से कम है। साथ ही उन्होंने किसी भी अन्य प्रकार की छात्रवृत्ति के लिए आवेदन न किया हो। वे आवेदन के लिए पात्र होंगे।

इसके अलावा ऐसे गरीब छात्र-छात्राएं जिनके माता-पिता दोनों नहीं हैं या उनके माता या पिता गंभीर बीमारी से ग्रसित हों और आर्थिक रूप से सक्षम न हों। इसके लिए कालेज ने 15 फरवरी तक आवेदन का मौका दिया है। आवेदन के साथ माता-पिता के पारिवारिक आय प्रमाण पत्र व गंभीर बीमारी से संबंधित अभिलेख जमा करने होंगे।

500 रुपये लेट फीस के साथ मौका

कालेज प्रशासन ने सेमेस्टर शुल्क जमा करने के लिए अब लेट फीस के साथ मौका दिया है। छात्र-छात्राएं 500 रुपये लेटफीस के साथ 31 जनवरी तक शुल्क जमा कर सकते हैं। इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की गई है। अभी तक बिना लेट फीस 27 जनवरी तक तिथि बढ़ाई गई थी। वि.

January 2026

भाषा विवि में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी द्वारा छात्र सुविधा केंद्र में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण और टाटा 1mg के सक्रिय सहयोग से आयोजित इस शिविर में विश्वविद्यालय के 120 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य समुदाय के स्वास्थ्य स्तर की जांच कर आवश्यक सलाह प्रदान करना था, जो विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य-केंद्रित पहलों का हिस्सा है। शिविर में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का उपयोग कर यूरिक एसिड, ब्लड शुगर, कैल्शियम, कोलेस्ट्रॉल के अलावा रक्तचाप और सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। टाटा

1द्वद्द के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिपोर्ट प्रदान कीं तथा जीवनशैली सुधार, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम पर उपयोगी सलाह दी। कई प्रतिभागियों को उच्च यूरिक एसिड या कोलेस्ट्रॉल स्तर पाए जाने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श की सिफारिश की गई, जिससे वे स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से पूर्व सावधान हो सके। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शिविर का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, ÷ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन स्वास्थ्य हित के लिए अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि छात्रों और कर्मचारियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। हम भविष्य में ऐसे और अधिक शिविर आयोजित करेंगे ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ जीवन जी सके।फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की निदेशक डॉ. शालिनी त्रिपाठी ने शिविर के सफल संचालन पर सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, टाटा 1mg के सहयोग से यह शिविर संभव हो सका। फैकल्टी सदस्यों, छात्र स्वयंसेवकों और स्टाफ की टीमवर्क ने इसे यादगार बनाया। हम आगामी महीनों में विशेषज्ञों के साथ डायबिटीज जागरूकता और कैंसर स्क्रीनिंग जैसे शिविर भी आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

January 2026

शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने देखी एआइ और लैंग्वेज लैब

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के बीएड पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने गुरुवार को बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय (बीबीडी) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की विभिन्न तकनीकी प्रयोगशालाएं और सेंट्रल लाइब्रेरी देखी। विवि की अत्याधुनिक भाषा प्रयोगशाला (लैंग्वेज लैब) का भी भ्रमण किया। साथ ही डिजिटल डेटाबेस युक्त केंद्रीय पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझा। इसके अलावा व्यायामशाला, हर्बल वाटिका, एआइ लैब, मूट कोर्ट, भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, अवधी शोध पीठ सहित विभिन्न शैक्षणिक विभाग भी देखे। भ्रमण में डा. नलिनी, डा. बुशरा, डा. राज़कुमार, डा. अनुपमा यादव तथा डा. रामकृष्ण पाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। वि.

January 2026

लखनऊ, गुरुवार 29 जनवरी, 2026

जागरण सिटी

भाषण प्रतियोगिता में अमन, रील मेकिंग में नदीम को पुरस्कार

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित भाषण, रील मेकिंग व नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के प्रथम विजेता विद्यार्थियों ने महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय,आशियाना में आयोजित जनपद स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभा करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। यहां भाषण प्रतियोगिता में एलएलएम के छात्र अमन कुमार त्रिपाठी व रील मेकिंग प्रतियोगिता में एमजेएमसी के छात्र मोहम्मद नदीम ने दूसरा स्थान जीता।

अमन और नदीम को सरकार की ओर से 5000 की धनराशि व प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में सौरभ, पारुल, साक्षी और आयुष ने भी प्रतिभाग कर शानदार प्रदर्शन किया। वि

January 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दै० हिन्दुस्तान लखनऊ ..... दिनांक ..... 28 JAN 2026

पूर्व छात्र कक्षाओं में पहुंचे तो याद आ गईं कई कहानियां

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की एलुमनाई मीट 'रूट्स टू रीयूनियन, यादों की शाम फिर साथ-साथ' का आयोजन किया गया। जहां वर्ष 2013 से 2025 तक के विभिन्न बैच के पूर्व छात्र लगभग 13 वर्षों बाद अपनी पुरानी कक्षाओं में लौटे, जिससे पूरा परिसर स्मृतियों से भर उठा।

पूर्व छात्रों ने विभाग के साथ-साथ कैंटीन, स्टूडियो, छात्रावास एवं विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया और अपने छात्र जीवन के अनुभवों व संघर्षों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की एलुमनाई एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति के चुनाव भी सम्पन्न हुए। इसमें संदीप तिवारी को अध्यक्ष, आकांक्षा यादव को महासचिव, नवीद मजीद को उपाध्यक्ष, आशीर्वाद गौतम को सचिव तथा आयुष तिवारी को कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुना गया।

January 2026

श्रीमती निधि वर्मा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम अमृत विचार लखनऊ दिनांक 28 JAN 2026

भाषा विवि में कार्यशाला में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं।

एआई हैंड्स-ऑन कार्यशाला आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ :ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बीटेक इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर आधारित हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सैमसंग इनोवेशन कैंपस के अंतर्गत संचालित एआई एवं आईओटी की प्रायोगिक प्रशिक्षण श्रृंखला का हिस्सा रही। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक और उद्योगोन्मुख ज्ञान प्रदान करना है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के वास्तविक अनुप्रयोगों, प्रायोगिक मॉड्यूलों और उभरती तकनीकों से परिचित कराया गया। प्रयोगात्मक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने तकनीकी अवधारणाओं की गहन समझ विकसित की।

January 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम नवभारत टाइम्स लखनऊ दिनांक 28 JAN 2026

संदीप तिवारी बने अल्मनाई के अध्यक्ष

■ NBT रिपोर्ट,लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मंगलवार को पहली अल्मनाई मीट 'रूट्स टु रीयूनियन' का आयोजन किया गया। इस मौके पर जहां पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों को ताजा किया तो वहीं अल्मनाई असोसिएशन का निर्वाचन भी हुआ। इसमें संदीप तिवारी को असोसिएशन का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वहीं आकांक्षा यादव को महामंत्री, नावेद को उपाध्यक्ष, आलोक शेखर को समन्वयक, आशीर्वाद गौतम को सचिव व आयुष तिवारी को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अजय तनेजा भी मौजूद रहे।

January 2026

लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026 08

हिन्दुस्तान

भाषा विवि में 16 संविदा पदों के लिए परीक्षा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 16 संविदा पदों पर भर्ती के लिए मंगलवार को लिखित परीक्षा हुई। परीक्षा के लिए कुल 142 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, इनमें से 103 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विकास ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

भाषा विश्वविद्यालय में एनसीसी 20 गर्ल्स बटालियन ने किया मॉक ड्रिल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के परिसर में एनसीसी 20 गर्ल्स बटालियन द्वारा एक प्रभावशाली मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

मॉक ड्रिल के प्रथम चरण में हवाई हमले (एयर स्ट्राइक) की आपात स्थिति का सजीव प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात उत्पन्न जल एवं चिकित्सा आपातकाल की परिस्थितियों में युवा आपदा मित्रों द्वारा घायलों की सहायता, प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी तथा राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में आग लगने (फायर आउटब्रेक) की स्थिति का प्रदर्शन किया गया, जिसमें गैस सिलेंडर से उत्पन्न आग की आपात परिस्थिति को दर्शाया गया। इस दौरान कैडेट्स ने आग बुझाने के विभिन्न उपाय जैसे गीले कंबल का प्रयोग, बाल्टी द्वारा वायु-अवरोध विधि आदि का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में माननीय कुलपति ने सभी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा की ऐसे मॉक ड्रिल कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं भारत के भविष्य, हमारे युवाओं में आपदा प्रबंधन, अनुशासन, नेतृत्व एवं त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं।

उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और एनसीसी जैसे संगठन राष्ट्र निर्माण में युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स एवं युवा आपदा मित्रों द्वारा प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया। मॉक ड्रिल में कुल 50 एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय सहभागिता की। आयोजन एएनओ डॉ. लेफ्टिनेंट बुशरा अलवेरा के कुशल मार्गदर्शन, समन्वय एवं पर्यवेक्षण में किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ महेश कुमार, डॉ मनीष, डॉ नलिनी एवं डॉ रामदास सहित भारी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय में अवधी शोधपीठ की प्रथम बैठक सम्पन्न, पाठ्यक्रम में शामिल होगी अवधी भाषा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अवधी शोधपीठ की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य अवधी भाषा, साहित्य एवं लोकसंस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और शैक्षणिक विकास को नई दिशा देना रहा। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की। उन्होंने अवधी भाषा के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए घोषणा की कि विश्वविद्यालय शीघ्र ही अवधी भाषा को एक स्वतंत्र विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करेगा, जिससे छात्र-छात्राओं को लोकभाषा में अध्ययन एवं शोध का अवसर मिल सके।कुलपति ने कहा कि अवधी भाषा के माध्यम से लोकसंस्कृति, साहित्य और समाज के बीच गहरा जुड़ाव स्थापित किया जा सकता है। विश्वविद्यालय अवधी से संबंधित शोध परियोजनाओं, सेमिनारों, कार्यशालाओं एवं अकादमिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा।बैठक में सदस्य के रूप में प्रो. सूर्या प्रताप दीक्षित, प्रो. विद्या बिंदु सिंह, डॉ. राम बहादुर मिश्रा एवं डॉ. सर्वेश अस्थाना उपस्थित रहे। सभी ने अवधी भाषा के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं अकादमिक सुदृढ़ीकरण पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम में अवधी शोधपीठ के समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला तथा सह-समन्वयक डॉ. योगेन्द्र सिंह, डॉ. आराधना अस्थाना एवं डॉ. हिमांशु गंगवार मौजूद रहे। बैठक में अवधी भाषा एवं संस्कृति से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम, शोध परियोजनाएं और डिजिटल आर्काइव तैयार करने पर भी सहमति बनी। अंत में अवधी भाषा को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए संयुक्त प्रयासों का संकल्प लिया गया।

January 2026

amarujala.com/lucknow
my city
लखनऊ | बुधवार • 21.01.2026
अमर उजाला
7

142 आवेदन के सापेक्ष 103 ने दी परीक्षा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों में जल्द ही शिक्षकों की कमी दूर होगी। विश्वविद्यालय में मंगलवार को नए शिक्षकों की संविदा पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें 142 आवेदन के सापेक्ष 103 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों के लिए इन शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। अलग-अलग पाठ्यक्रमों में 16 पद रिक्त हैं। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि परीक्षा अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, संस्कृत, फ्रेंच, इकोनॉमिक्स, कंप्यूटर साइंस और आईटी विषयों के शिक्षकों की भर्ती के लिए हुई। परिणाम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। (संवाद)

January 2026

छात्रों ने अभिनय से दिया जागरूकता का संदेश

संदेश वाहक न्यूज

- भाषा विवि में सड़क सुरक्षा को लेकर नुक्कड़ नाटक व भाषण प्रतियोगिता

बीकेटी, लखनऊ। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन एवं जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 20 जनवरी को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में नुक्कड़ नाटक एवं भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रशासनिक भवन के निकट आयोजित इस कार्यक्रम ने सड़क सुरक्षा के महत्व को प्रभावशाली ढंग से जनमानस तक पहुँचाया।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का संकल्प है। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग और यातायात नियमों के पालन के साथ समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनएसएस समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा ने कहा कि नुक्कड़ नाटक जैसे सशक्त माध्यम आमजन तक सीधे और प्रभावी संदेश पहुँचाने में अत्यंत उपयोगी होते हैं। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा किया गया, जिसका संचालन एर. राशि श्रीवास्तव, कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस के निर्देशन में संपन्न हुआ।नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने अपने सशक्त अभिनय और संवादों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं के कारण, यातायात संकेतों के पालन, जिम्मेदार ड्राइविंग तथा सुरक्षा उपकरणों के महत्व को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के निर्णायक एर. आस्था चौरसिया एवं एर. अभिषेक अवस्थी रहे। निर्णायकों के निर्णयानुसार सुरक्षा वॉरियर टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में पारुल बिलरान, साक्षी पांडेय, प्रिया सिंह, नेहा सिंह, सौरभ चंद्र शुक्ला, आयुष गुप्ता, आनंद कुमार एवं हिमांशु सैनी शामिल रहे।इसी क्रम में सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एनएसएस समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा एवं भूगोल विभाग की शिक्षिका प्रिया देवी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में अमन कुमार त्रिपाठी ने प्रथम, अरसलान सिद्दीकी ने द्वितीय तथा स्नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

January 2026

गैर-शिक्षण कर्मचारियों हेतु GeM प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए Government e-Marketplace (GeM) विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सरकारी खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और डिजिटल बनाना तथा कर्मचारियों को GeM पोर्टल के प्रभावी उपयोग के लिए सक्षम करना रहा। कार्यक्रम में GeM विशेषज्ञ निखिल राय ने प्रतिभागियों को पोर्टल की कार्यप्रणाली, पंजीकरण प्रक्रिया, खरीद नियमों एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ महेश कुमार के साथ कंट्रोलर ऑफ़ एग्जामिनेशन विकास भी मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी एवं आयोजन सचिव संजीव गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने संदेश में कहा GeM पोर्टल आज सरकारी खरीद प्रणाली में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही का सशक्त माध्यम बन चुका है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारे कर्मचारियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाते हैं, जिससे विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी व आधुनिक हो सके। कुलपति ने यह भी कहा कि डिजिटल इंडिया के विज़न को साकार करने में ल्द्दरूजैसी पहल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने प्रश्नों के माध्यम से प्रशिक्षण को और अधिक संवादात्मक बनाया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के कौशल-वर्धन कार्यक्रमों के आयोजन का आश्वासन दिया।

January 2026

amarujala.com/lucknow
my city
लखनऊ | मंगलवार • 20.01.2026
अमर उजाला 7

भाषा विवि में अगले सत्र से अवधी बोली सीख सकेंगे विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। साहित्य व लोकसंस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों को अवधी बोली में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय नई दिशा दिखाएगा। यहां शैक्षिक सत्र 2026-27 से विद्यार्थी अवधी बोली सीख सकेंगे। सोमवार को विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में आयोजित अवधी शोधपीठ की पहली बैठक में ये निर्णय हुआ।

नए सत्र से अवधी बोली को बढ़ावा देने के लिए इसमें पढ़ाई शुरू होगी। साथ ही

अवधी शोधपीठ की बैठक में लगी मुहर, अवधी बोली व संस्कृति से जुड़े विशेष पाठ्यक्रमों की भी होगी शुरुआत

अवधी बोली व संस्कृति से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र कार्यक्रम, शोध परियोजनाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक और शैक्षणिक दोनों स्तरों पर लाभ मिल सकेगा। विश्वविद्यालय का मानना है कि अवधी बोली के माध्यम से लोकसंस्कृति, साहित्य और समाज के बीच गहरे जुड़ाव को मजबूत किया जा सकता है।

■ **तैयार होगा डिजिटल आर्काइव :** बैठक में अवधी साहित्य, लोकगीत, लोकनाट्य और परंपरागत सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए डिजिटल आर्काइव तैयार करने की योजना पर भी मोहर लगाई गई। इसका सबसे बड़ा फायदा विद्यार्थियों को ये होगा कि वह कभी इसका लाभ ले सकेंगे।

■ **अवधी बोली में होगा साहित्यिक शोध :** अवधी बोली के संरक्षण के लिए दस्तावेजीकरण के साथ-साथ साहित्यिक शोध भी शुरू होगा। नई पीढ़ी तक इसका प्रसार प्रचार किया जाएगा। इसके लिए अवधी साहित्य को अकादमिक मंच पर मजबूती देने के लिए ठोस रणनीति तैयार होगी।

> अवधी हमारी सांस्कृतिक विरासत की एक सशक्त अभिव्यक्ति है। विश्वविद्यालय जल्द ही अवधी बोली को एक स्वतंत्र विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करेगा। - **प्रो. अजय तनेजा**, कुलपति, भाषा विवि

विश्वविद्यालय अवधी से संबंधित शोध परियोजनाओं, सेमिनारों, कार्यशालाओं और अकादमिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में अवधी शोधपीठ के समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. आराधना अस्थाना मौजूद रहीं।

January 2026

लखनऊ, 20 जनवरी, 2026 दैनिक जागरण

जल्द शुरू होंगे अवधी भाषा और संस्कृति से जुड़े विशेष कोर्स

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अवधी भाषा एवं संस्कृति से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम से लेकर प्रमाणपत्र कार्यक्रम और शोध परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे, जिससे छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक और शैक्षणिक दोनों स्तरों पर लाभ मिल सके। इसके अलावा विश्वविद्यालय अवधी साहित्य, लोकगीत, लोकनाट्य और परंपरागत सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए डिजिटल आर्काइव भी तैयार करेगा। यह निर्णय सोमवार को कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में हुई अवधी शोधपीठ की पहली बैठक में लिया गया।

बैठक में सदस्य के रूप में लवि के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, वरिष्ठ साहित्यकार डा. विद्या विंदु सिंह, डा. राम बहादुर मिश्रा एवं हास्य कवि डा. सर्वेश अस्थाना शामिल हुए। सभी सदस्यों ने अवधी भाषा के संरक्षण, दस्तावेजीकरण, साहित्यिक शोध तथा नई पीढ़ी तक इसके प्रसार पर अपने विचार रखे। उन्होंने अवधी साहित्य को अकादमिक मंच पर मजबूती देने के लिए ठोस रणनीति बनाने पर बल दिया। कुलपति ने कहा कि अवधी भाषा के माध्यम से लोकसंस्कृति, साहित्य और समाज के बीच गहरे जुड़ाव को मजबूत किया जा सकता है। विश्वविद्यालय अवधी से संबंधित शोध परियोजनाओं, सेमिनारों, कार्यशालाओं और अकादमिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा। शीघ्र ही अवधी भाषा को एक स्वतंत्र विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करेगा, ताकि छात्र-छात्राओं को अपनी लोकभाषा में अध्ययन व शोध का अवसर मिल सके। बैठक में अवधी शोधपीठ के समन्वयक डा. नीरज शुक्ला, डा. योगेन्द्र सिंह, सह समन्वयक डा. आराधना अस्थाना एवं डा. हिमांशु गंगवार उपस्थित रहे। समन्वयक मंडल ने शोधपीठ की भावी कार्ययोजना, शोध विषयों के चयन, प्रकाशन व अकादमिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

- सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए तैयार होगी डिजिटल आर्काइव
- भाषा विश्वविद्यालय में अवधी शोधपीठ की पहली बैठक में लिया गया निर्णय

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय में पुरुष जिमनेजियम का भव्य उद्घाटन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर आधुनिक पुरुष जिमनेजियम का भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर अजय तनेजा ने दीप प्रज्ज्वलन एवं रिबन काटकर जिम का औपचारिक लोकार्पण किया। इस अवसर पर उनके साथ उएइ तृतीय वर्ष के छात्र मोहम्मद रेहान खान तथा बीए (गक्ध) प्रथम वर्ष के छात्र मोहम्मद अफ़्फ़ान भी फीता काटने में शामिल रहे। कुलपति प्रो. तनेजा ने अपने संबोधन में कहा, आज का युग चुनौतियों से भरा है। स्वस्थ शरीर के बिना दृढ़ इच्छाशक्ति संभव नहीं है। इस जिम का उपयोग कर आप न केवल अपनी सेहत सुधारेंगे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देंगे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध कथन उद्धृत करते हुए कहा, उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत शरीर ही मजबूत राष्ट्र की नींव होता है और यह जिम उसी दृष्टि को साकार करने की दिशा में विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण पहल है। पुरुष छात्रावास में स्थापित यह आधुनिक जिम सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें ट्रेडमिल, वेट मशीनें, कार्डियो उपकरण तथा योग अभ्यास के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध है। यह सुविधा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए निःशुल्क रहेगी। छात्रावास के वार्डे न डॉ. मनीष कुमार ने इसे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के विचारों पर आधारित था, जिसने विश्वविद्यालय परिवार में एकता और उत्साह का संचार किया। उद्घाटन समारोह में प्रोवोस्ट डॉ. उधम सिंह, द्वितीय वार्डे न डॉ. कौशलेश कुमार शाह, प्रभारी निदेशक डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, प्रॉक्टर डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. लक्ष्मण सिंह सहित अनेक शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

[redacted]

14.01.2026

ला 7

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा 20 को

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजना के विभागों में सहायक आचार्य (संविदा) के 12 पदों पर भर्ती परीक्षा 20 जनवरी को होगी। इस संबंध में मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी गई।

परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के कक्ष संख्या 245 को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा दोपहर एक बजे शुरू होगी। अर्ह अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि फ्रेंच, अंग्रेजी, कंप्यूटर विज्ञान व सूचना प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास संस्कृत और हिंदी विभाग में सहायक आचार्य के पदों के लिए भर्ती परीक्षा होगी। (संवाद)

January 2026

लखनऊ, 14 जनवरी, 2026 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय में शिक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा 20 को

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजना के तहत छह विभागों में सहायक आचार्य (संविदा) के पदों पर नियुक्ति के चयन के लिए लिखित परीक्षा 20 जनवरी को आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के अबुल कलाम आजाद शैक्षणिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित कमरा नंबर 245 में परीक्षा दोपहर एक बजे से शुरू होगी। परीक्षा नियंत्रक विकास के अनुसार फ्रेंच, अंग्रेजी, कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, इतिहास, संस्कृत और हिंदी विषय के लिए यह परीक्षा होगी। अभ्यर्थियों को समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश पत्र जल्द ही वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे।

January 2026

संक्षिप्त समाचार

भाषा विश्वविद्यालयः राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रेरक व्याख्यान

लखनऊ (एनडीएस संवाददाता)। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के अवसर पर ल्स्वामी विवेकानंद के सिद्धांत एवं शिक्षाएँः मिलेनियल्स से जेन-ज़ेड तकङ्क विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के हाइब्रिड हॉल (द्वितीय तल) में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय से जुड़े वक्ता एवं युवा आइकन श्री दुर्गेश त्रिपाठी रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्षों का उल्लेख किया और बताया कि संकल्प, विनम्रता तथा निरंतर परिश्रम से ही लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से विनम्र बने रहने, कभी हार न मानने और यह समझने का आह्वान किया कि सहभागिता स्वयं में सफलता की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने युवाओं, विशेषकर जेन-जी , को उद्देश्य की स्पष्टता, आत्मअनुशासन और विकासोन्मुख दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में समग्र विकास के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण और निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ल ने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नलिनी मिश्रा के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने समकालीन समाज में स्वामी विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता पर बल दिया। डॉ. आर. के. त्रिपाठी ने भी अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों से समर्पण और साहस के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह के अंतर्गत विषय आधारित क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे— विजेताः अमित कुकर दुबे एवं श्रेष्ठा सिंह (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर) प्रथम उपविजेताः अंशी यादव एवं तन्वी रस्तोगी (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर) द्वितीय उपविजेताः वैशाली सिंह एवं शाहिन सब्बा (बी.ए. राजनीति विज्ञान)। कार्यक्रम के समापन पर जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. ममता शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मानवेंद्र सिंह, डॉ. इफ्फत अज़ीम, इंजीनियर धीरेंद्र सिंह, इंजीनियर शिवांशी त्रिपाठी तथा इंजीनियर राशि श्रीवास्तव के विशेष सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय में पुरुष जिमनेजियम का भव्य उद्घाटन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर आधुनिक पुरुष जिमनेजियम का भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर अजय तनेजा ने दीप प्रज्ज्वलन एवं रिबन काटकर जिम का औपचारिक लोकार्पण किया। इस अवसर पर उनके साथ उएइ तृतीय वर्ष के छात्र मोहम्मद रेहान खान तथा बीए (गक्ध) प्रथम वर्ष के छात्र मोहम्मद अफ़्फ़ान भी फीता काटने में शामिल रहे। कुलपति प्रो. तनेजा ने अपने संबोधन में कहा, आज का युग चुनौतियों से भरा है। स्वस्थ शरीर के बिना दृढ़ इच्छाशक्ति संभव नहीं है। इस जिम का उपयोग कर आप न केवल अपनी सेहत सुधारेंगे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देंगे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध कथन उद्धृत करते हुए कहा, उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत शरीर ही मजबूत राष्ट्र की नींव होता है और यह जिम उसी दृष्टि को साकार करने की दिशा में विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण पहल है। पुरुष छात्रावास में स्थापित यह आधुनिक जिम सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें ट्रेडमिल, वेट मशीनें, कार्डियो उपकरण तथा योग अभ्यास के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध है। यह सुविधा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए निःशुल्क रहेगी। छात्रावास के वार्डे न डॉ. मनीष कुमार ने इसे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के विचारों पर आधारित था, जिसने विश्वविद्यालय परिवार में एकता और उत्साह का संचार किया। उद्घाटन समारोह में प्रोवोस्ट डॉ. उधम सिंह, द्वितीय वार्डे न डॉ. कौशलेश कुमार शाह, प्रभारी निदेशक डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, प्रॉक्टर डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. लक्ष्मण सिंह सहित अनेक शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

January 2026

राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रेरक व्याख्यान

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के अवसर पर स्वामी विवेकानंद के सिद्धांत एवं शिक्षाएँ मिलेनियल्स से जेन-ज़ेड तक विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के हाइब्रिड हॉल (द्वितीय तल) में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय से जुड़े वक्ता एवं युवा आइकनदुर्गेश त्रिपाठी रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्षों का उल्लेख किया और बताया कि संकल्प, विनम्रता तथा निरंतर परिश्रम से ही लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से विनम्र बने रहने, कभी हार न मानने और यह समझने का आह्वान किया कि सहभागिता स्वयं में सफलता की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने युवाओं, विशेषकर जेन-जी , को उद्देश्य की स्पष्टता, आत्मअनुशासन और विकासोन्मुख दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नलिनी मिश्रा के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने समकालीन समाज में स्वामी विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता पर बल दिया। डॉ. आर. के. त्रिपाठी ने भी अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों से समर्पण और साहस के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह के अंतर्गत विषय आधारित क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे– विजेता–अमित कुकर दुबे एवं श्रेष्ठा सिंह (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर) प्रथम उपविजेता अंशी यादव एवं तन्वी रस्तोगी (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर) द्वितीय उपविजेता–वैशाली सिंह एवं शाहिन सब्बा (बी.ए. राजनीति विज्ञान) कार्यक्रम के समापन पर जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. ममता शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मानवेंद्र सिंह, डॉ. इफ्फत अज़ीम, इंजीनियर धीरेंद्र सिंह, इंजीनियर शिवांशी त्रिपाठी तथा इंजीनियर राशि श्रीवास्तव के विशेष सहयोग की सराहना की गई।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय में पुरुष जिमनेजियम का भव्य उद्घाटन

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर आधुनिक पुरुष जिमनेजियम का भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर अजय तनेजा ने दीप प्रज्ज्वलन एवं रिबन काटकर जिम का औपचारिक लोकार्पण किया। इस अवसर पर उनके साथ उइ तृतीय वर्ष के छात्र मोहम्मद रेहान खान तथा बीए (गकू) प्रथम वर्ष के छात्र मोहम्मद अफ्कान भी फीता काटने में शामिल रहे। कुलपति प्रो. तनेजा ने अपने संबोधन में कहा, ह्यआज का युग चुनौतियों से भरा है। स्वस्थ शरीर के बिना दृढ़ इच्छाशक्ति संभव नहीं है।

इस जिम का उपयोग कर आप न केवल अपनी सेहत सुधारेंगे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देंगे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध कथन उद्धृत करते हुए कहा, उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत शरीर ही मजबूत राष्ट्र की नींव होता है और यह जिम उसी दृष्टि को साकार करने की दिशा में विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण पहल है।

जिम की विशेषताएं- पुरुष छात्रावास में स्थापित यह आधुनिक जिम सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें ट्रेडमिल, वेट मशीनें, कार्डियो उपकरण तथा योग अभ्यास के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध है। यह सुविधा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए निःशुल्क रहेगी। छात्रावास के वार्डेन डॉ. मनीष कुमार ने इसे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के विचारों पर आधारित था, जिसने विश्वविद्यालय परिवार में एकता और उत्साह का संचार किया।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय: राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रेरक व्याख्यान

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के अवसर पर ‘स्वामी विवेकानंद के सिद्धांत एवं शिक्षाएँ: मिलेनियल्स से जेन-जेड तक’ विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के हाइब्रिड हॉल (द्वितीय तल) में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय से जुड़े वक्ता एवं युवा आइकन श्री दुर्गेश त्रिपाठी रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने जीवन-संघर्षों का उल्लेख किया और बताया कि संकल्प, विनम्रता तथा निरंतर परिश्रम से ही लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से विनम्र बने रहने, कभी हार न मानने और यह समझने का आह्वान किया कि सहभागिता स्वयं में सफलता की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने युवाओं, विशेषकर जेन-जी , को उद्देश्य की स्पष्टता, आत्मअनुशासन और विकासोन्मुख दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में समग्र विकास के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण और निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ल ने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नलिनी मिश्रा के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने समकालीन समाज में स्वामी विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता पर बल दिया। डॉ. आर. के. त्रिपाठी ने भी अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों से समर्पण और साहस के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह के अंतर्गत विषय आधारित क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे– विजेता: अमित कुकर दुबे एवं श्रेष्ठा सिंह (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर) प्रथम उपविजेता: अंशी यादव एवं तन्वी रस्तोगी (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर) द्वितीय उपविजेता: वैशाली सिंह एवं शाहिन सब्बा (बी.ए. राजनीति विज्ञान) कार्यक्रम के समापन पर जैव प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. ममता शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मानवेंद्र सिंह, डॉ. इफ्फत अजीम, इंजीनियर धीरेंद्र सिंह, इंजीनियर शिवांशी त्रिपाठी तथा इंजीनियर राशि श्रीवास्तव के विशेष सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय में स्वयं मूक कोर्सेज पर एक दिवसीय कार्यशाला

सद्भावना आवाज़

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में शुक्रवार को स्वयं (SWAYAM) मूक कोर्सेज के एकीकरण और क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यशाला का संचालन डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, नोडल अधिकारी (स्वयं) ने किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पहले ही लष्ट की 2021 की गाइडलाइंस और ऑनलाइन शिक्षा नीति को अपना चुका है। ऐसे में स्वयं पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय के नियमित पाठ्यक्रम से जोड़ना एक अहम शैक्षणिक पहल है। डॉ. चौधरी ने संकाय सदस्यों से अपील की कि वे अपने-अपने विषयों की जरूरत के अनुसार स्वयं कोर्सेज की मैपिंग करें, ताकि छात्रों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की मांग और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप शिक्षा मिल सके। उन्होंने बताया कि स्वयं प्लेटफॉर्म छात्रों को गुणवत्तापूर्ण, लचीली और कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने में सक्षम है, जो नई शिक्षा नीति 2020 की मंशा के अनुरूप है। कार्यशाला में पाठ्यक्रम संरचना, क्रेडिट ट्रांसफर, मूक मैपिंग की प्रक्रिया और रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रमों के चयन पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संवादात्मक बनाया गया, जिसमें शिक्षकों के सवालों के जवाब भी दिए गए। इस मौके पर डॉ. शचीन्द्र शेखर, डॉ. रत्नेश, डॉ. मुसी रज़ा, डॉ. आराधना अस्थाना और यूसुफ़ हसन सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक मौजूद रहे।

January 2026

لینگویج یونیورسٹی کے سبھاش چندر بوس بوائز ہاسٹل میں جمنازیم کا افتتاح

لکھنؤ (پریس ریلیز): خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے سبھاش چندر بوس بوائز ہاسٹل میں سوامی وویکانند کے یوم پیدائش کے موقع پر بوائز ہاسٹل میں طلبہ کو جسمانی و ذہنی صحت کے تئیں بیداری، فعال اور صحتمند زندگی گزارنے کے لئے ایک جمنازیم کا افتتاح کیا۔ یہ افتتاح یونیورسٹی کے وی سی پروفیسر اجے تینجا کے ہاتھوں عمل میں آیا۔ اس موقع پر وی سی پروفیسر اجے تینجا نے اس موقع پر اپنے خطاب میں کہا کہ نوجوان کسی بھی قوم کا سب سے قیمتی سرمایہ ہوتے ہیں اور ان کی جسمانی و ذہنی صحت پر ہی ایک مضبوط، باوقار اور ترقی یافتہ معاشرے کی بنیاد قائم ہوتی ہے۔ افتتاحی تقریب میں پرووسٹ ڈاکٹر اُدھم سنگھ، وارڈن ڈاکٹر منیش کمار، وارڈن ڈاکٹر کوشلش کمار شاہ، ڈاکٹر نلنی مشرا ڈائریکٹر ڈاکٹر راجندر ترپاٹھی، پراکٹر ڈاکٹر نیرج شکلا، ڈاکٹر لکشمن سنگھ کے علاوہ دیگر اساتذہ، انتظامی عملہ اور طلبہ و طالبات نے شرکت کی اور اس نئی سہولت کو یونیورسٹی کے لئے ایک خوش آئند اضافہ قرار دیا۔

January 2026

सभी संकाय सदस्य करें स्वयं पाठ्यक्रमों की मैपिंग

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शनिवार को स्वयं कोर्सों के विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में एकीकरण, क्रियान्वयन एवं मैपिंग विषय पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

स्वयं की नोडल अधिकारी डा. रुचिता सुजय चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय यूजीसी की 2021 की गाइडलाइंस व उच्च शिक्षा की आनलाइन नीति को पहले ही अंगीकार किया जा चुका है। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने विषयों एवं पाठ्यक्रमों की आवश्यकतानुसार स्वयं पाठ्यक्रमों की मैपिंग करें, ताकि अकादमिक ज्ञान, उद्योग की मांगों एवं स्थानीय आवश्यकताओं के बीच की खाई को प्रभावी रूप से पाटा जा सके। उन्होंने बताया कि स्वयं प्लेटफार्म के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है, जो उनके भविष्य निर्माण में कारगर होगा। वि.

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय में 'स्टार्ट-अप सहयोग एवं एआई नवाचार' पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बिल्डिंग द फ्यूचरः स्टार्ट-अप सपोर्ट एंड एआई इनोवेशन विषय पर अटल हॉल, अकादमिक ब्लॉक में विशेषज्ञ व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में स्ढ्ढष्ट, ढ्ढढ्ढञ्ज कानपुर के,ढ्ढ/स्रू प्रमुख श्री वसव कृष्णा ने एआई और डेटा-आधारित नवाचार की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्टार्ट-अप्स समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान का माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समस्या पहचान, प्रोटोटाइप, वैलिडेशन और स्केलेबिलिटी पर ध्यान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर श्री नृपिन भट्ट ने स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, मेंटरशिप और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, जबकि उपाध्यक्ष प्रो. सैयद हैदर अली ने एनईपी 2020 के तहत उद्यमिता के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दूआ नक़वी ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

January 2026

लखनऊ, शनिवार, 10 जनवरी 2026 08

भारत की विविधता एकता का सबसे सशक्त सूत्र

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के हाइब्रिड हॉल में लर्न, लांच एंड लीड विषय पर व्याख्यान हुआ। व्याख्यान नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. प्रभाशंकर शुक्ल ने दिया। प्रो. शुक्ल ने कहा कि हमारे रहन-सहन के तरीके भिन्न हैं, पर यही विविधता हमें एक सूत्र में बांधती है। भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि सफलता की कोई कुंजी नहीं होती है।

January 2026

भाषा, शिक्षा और नेतृत्व जीवन निर्माण की त्रिवेणी हैं : प्रो. प्रभाशंकर शुक्ल

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के हाइब्रिड हॉल में लर्न , लांच एंड लीड विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. प्रभाशंकर शुक्ल द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने शिक्षा, भाषा, सामाजिक व्यवहार, नेतृत्व और नवाचार के आपसी संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में प्रो. शुक्ल ने कहा कि मनुष्य मूलतः सामाजिक प्राणी है और सीखना, आरंभ करना तथा नेतृत्व करना जीवन की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। भारत की एकता में विविधता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे खान पान, रहन सहन, व्यवहार, दृष्टिकोण और सीखने के तरीके भिन्न हो सकते हैं, किंतु यही विविधता हमें एक सूत्र में बाँधती है। उन्होंने कहा कि भाषा इस विविधता को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है, और इसी कारण भारत विश्व का सबसे समृद्ध सांस्कृतिक राष्ट्र है।प्रो. शुक्ल ने क्षेत्रीय भाषाओं के संवर्धन पर विशेष बल देते हुए कहा कि उनका संरक्षण और प्रचार-प्रसार हम सभी का दायित्व है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति कम से कम तीन भाषाओं के अध्ययन पर बल देती है, जिससे बहुभाषिकता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से आत्ममंथन का आह्वान करते हुए प्रश्न उठाया कि हम देश को क्या योगदान दे रहे हैं और उसका प्रतिफल क्या है –इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि माँ हमारी पहली गुरु होती है, इसके बाद प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा का क्रम आता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, बल्कि जीवन के उद्देश्य, लक्ष्य और मूल्यों को समझना होना चाहिए। प्रो. शुक्ल ने कहा कि लॉच शिक्षकों से जुड़ा है, किंतु लीड करना एक शिक्षाविद् के रूप में स्वयं को विकसित करने से संबंधित है। एक अच्छा शिक्षक वही है, जो विद्यार्थियों को केवल विषय नहीं, बल्कि जीवन के सही पाठ भी सिखाए। उन्होंने शिक्षा, स्टार्टअप और रोजगार के बीच संबंध को रेखांकित करते हुए कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपने ज्ञान को व्यावहारिक और व्यावसायिक रूप से उपयोग में लाने की दिशा में सोचें।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालयः 'स्टार्ट-अप सहयोग एवं एआई नवाचार' पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

फोकस टाइम्स लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आज "बिल्डिंग द फ्यूचर : स्टार्टअप सपोर्ट एंड ए. आई. इनोवेशन " विषय पर

एक विशेषज्ञ व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्र का सफल आयोजन अटल हॉल, अकादमिक ब्लॉक में किया गया। इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन (।ष्ट) एवं ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री वसव कृष्णा, प्रमुख (।प/डस डोमेन), स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (ष्ळ), प्प्ज् कानपुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा—आधारित नवाचार का युग है, जहाँ स्टार्ट—अप्स समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ।प और मशीन लर्निंग स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, मीडिया और प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से कहा कि एक सफल स्टार्ट—अप की नींव समस्या की स्पष्ट पहचान, स्थानीय आवश्यकताओं की समझ तथा तकनीक के सार्थक उपयोग पर आधारित होती है। केवल विचार पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे प्रोटोटाइप, परीक्षण (वैलिडेशन) और स्केलेबिलिटी के चरणों से गुजारना आवश्यक है। श्री कृष्णा ने ष्ळ प्प्ज् कानपुर की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार इनक्यूबेशन केंद्र नवोदित उद्यमियों को मेंटॉरशिप, तकनीकी मार्गदर्शन, उद्योग संपर्क, फंडिंग एक्सेस और कानूनी सहायता उपलब्ध कराते हैं। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जोखिम लेने से न डरें, विफलताओं को सीख के रूप में स्वीकार करें और नवाचार—आधारित उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ें। इस अवसर पर राफ्ट्स एंड रिवर्स के संस्थापक एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर श्री नृपिन भट्ट ने इनक्यूबेशन की प्रक्रिया, मेंटरशिप मॉडल तथा उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न स्टार्ट—अप एवं नवाचार योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नवाचार और उद्यमिता आज उच्च शिक्षा की प्रमुख आवश्यकता बन चुकी है तथा विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को स्टार्ट—अप, शोध एवं उद्योग से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रो. सैयद हैदर अली ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करती है तथा इसके पाठ्यक्रमीय समावेशन से विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच का विकास होगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, सदस्य, अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दूआ नक़वी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रो. तनवीर ख़दीजा, डॉ. मनीष, डॉ. उधम सिंह एवं डॉ. राज कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

January 2026

जोखिम लेने से न डरें : वसव कृष्णा

लखनऊ। हमें कभी जोखिम लेने से नहीं डरना चाहिए। विफलताओं से घबराएं नहीं बल्कि उनसे सीख लें। ये बात आईआईटी कानपुर स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के प्रमुख वसव कृष्णा ने कही। मौका था बृहस्पतिवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में बिल्डिंग द फ्यूचर स्टार्टअप सपोर्ट एंड एआई इनोवेशन विषय आयोजित कार्यक्रम का। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा-आधारित नवाचार का युग है, जहां स्टार्टअप समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर नृपिन भट्ट ने इनक्यूबेशन की प्रक्रिया, मेंटरशिप मॉडल व उत्तर प्रदेश सरकार के अलग-अलग स्टार्ट-अप व नवाचार योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। इस मौके पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा, प्रो. तनवीर खदीजा, डॉ. मनीष, डॉ. उधम सिंह सहित कई विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

January 2026

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमृत विचार लखनऊ दिनांक 09 JAN 2026

भाषा विवि में स्टार्टअप और एआई पर मंथन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बिल्डिंग द फ़्यूचर स्टार्टअप सपोर्ट एंड एआई इनोवेशन पर व्याख्यान आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता वसव कृष्णा स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और डेटा-आधारित नवाचार का युग है, जहां स्टार्ट-अप्स समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं।

शोधार्थियों से कहा कि एक सफल स्टार्ट-अप की नींव समस्या की स्पष्ट पहचान, स्थानीय आवश्यकताओं की समझ तथा तकनीक के सार्थक उपयोग पर आधारित होती है। इस अवसर पर राफ्ट्स एंड रिवर्स के संस्थापक एवं अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन के नॉलेज पार्टनर नृपिन भट्ट ने इनक्यूबेशन की प्रक्रिया, मेंटरशिप मॉडल तथा उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न स्टार्ट-अप एवं नवाचार योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रुचिता सुजय चौधरी, सदस्य, अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दूआ नक़वी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में जानकारी देते विशेषज्ञ। अमृत विचार

January 2026

روزنامہ راشٹریہ سہارا

لینگوتیج یونیورسٹی اور ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے درمیان ایم او یو

لکھنؤ (پریس ریلیز)

خواجہ معین الدین چشتی لینگوتیج یونیورسٹی اور ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے درمیان طلبہ، اساتذہ و غیر تدریسی عملے کی ذہنی، جذباتی اور اخلاقی نشوونما کو مضبوط اور مستحکم بنانے کے مقصد سے ایک مفاہمتی یادداشت (ایم او یو) پر دستخط کیے گئے۔ اس معاہدے کا مقصد تعلیمی ماحول میں ذہنی سکون، مثبت فکر اور اخلاقی اقدار کو فروغ دینا ہے۔ ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کی جانب سے اس مفاہمتی یادداشت پر زونل کوآرڈی نیٹر شالنی مہروترا نے دستخط کیے۔ اس یادداشت کے تحت یونیورسٹی کیمپس میں ہارٹ فل نیس ریلیکسیشن، میڈیٹیشن، لائف اسکلز، قیادت سازی (لیڈرشپ ڈیولپمنٹ) اور اقدار پر مبنی تعلیم سے متعلق مختلف پروگراموں کا انعقاد کیا جائے گا۔ اس کے ساتھ ہی اساتذہ اور انتظامی عملے کے لیے خصوصی تربیتی نشستیں بھی منعقد کی جائیں گی تاکہ وہ ذہنی دباؤ سے نجات اور پیشہ ورانہ توازن حاصل کر سکیں۔ معاہدے کے تحت یونیورسٹی میں ایک باقاعدہ ہارٹ فل نیس کارنر اور میڈیٹیشن پریکٹس روم قائم کیا جائے گا جہاں طلبہ یکسوئی، ذہنی سکون اور مثبت طرز فکر کی عملی مشق کر سکیں گے۔ اس اقدام سے نہ صرف طلبہ کو اسٹریس مینجمنٹ اور توجہ میں اضافہ حاصل ہوگا بلکہ تعلیمی ماحول مزید متوازن، نظم وضبط پر مبنی اور خوشگوار بنے گا۔

اس موقع پر اظہار خیال کرتے ہوئے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے کہا کہ موجودہ دور میں اعلیٰ تعلیم کے ساتھ ہی طلبہ کا ذہنی، جذباتی اور اخلاقی طور پر مضبوط ہونا وقت کی ایک اہم ضرورت بن چکا ہے۔ انھوں نے کہا کہ محض ڈگریوں اور تعلیمی اسناد کا حصول ہی کامیاب زندگی کی ضمانت نہیں بلکہ طلبہ میں ذہنی سکون، مثبت سوچ، خود احتسابی، ضبط نفس اور انسانی اقدار کا ہونا بھی بیحد ضروری ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ آج کے مسابقتی و تیز رفتار دور میں طلبہ شدید ذہنی دباؤ، بے یقینی اور عدم توازن کا شکار ہو رہے ہیں جس کے اثرات ان کی تعلیمی کارکردگی اور شخصیت پر بھی مرتب ہوتے ہیں۔ ایسے میں ہارٹ فل نیس جیسے پروگرام طلبہ کو اندرونی سکون، یکسوئی اور خود آگاہی عطا کرتے ہیں جو انھیں نہ صرف ایک اچھا طالب علم بلکہ ایک ذمہ دار اور باکردار انسان بننے میں مدد دیتے ہیں۔ انھوں نے اس بات پر زور دیا کہ ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے تعاون سے یونیورسٹی میں جو سرگرمیاں شروع کی جا رہی ہیں وہ طلبہ کی کردار سازی، قائدانہ صلاحیتوں اور سماجی شعور کو فروغ دیں گی۔ اس سے طلبہ میں باہمی احترام، رواداری، خدمت خلق اور اخلاقی قدروں کا جذبہ پیدا ہوگا جو ایک صحتمند اور پرامن معاشرے کی تشکیل کے لیے نہایت اہم ہے۔ ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے تعاون سے طلبہ میں خود اعتمادی، خود ضبطی اور اعلیٰ انسانی اقدار پروان چڑھیں گی جو انھیں بہتر شہری بننے کی سمت رہنمائی فراہم کریں گی۔ تقریب میں مفاہمت نامے کے نوڈل افسر ڈاکٹر نیرج شکلا، رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار اور ڈین اکیڈمکس پروفیسر ثوبان سعید بھی موجود رہے۔ واضح رہے کہ یہ مفاہمتی یادداشت 3 برس کے لیے موثر رہے گی جسے باہمی رضامندی سے آئندہ بھی توسیع دی جا سکتی ہے۔

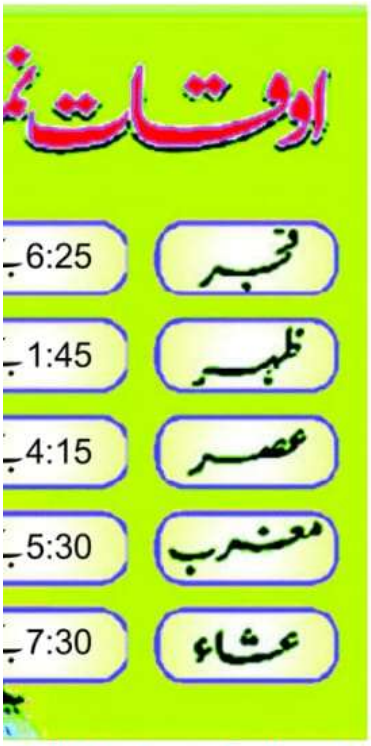

>Delhi/ Lucknow/ Lucknow Daak Edition/2026-01-08/ P-3/ Roznama Rashtriya Sahara/ roznar

January 2026

لینگویج یونیورسٹی اور ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ میں ایم او یو

لکھنؤ : آج خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی اور ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے درمیان طلبہ، اساتذہ اور غیر تدریسی عملے کی ذہنی، جذباتی اور اخلاقی نشوونما کو مضبوط اور مستحکم بنانے کے مقصد سے ایک مفاہمتی یادداشت (MoU) پر دستخط کیے گئے۔ اس معاہدے کا مقصد تعلیمی ماحول میں ذہنی سکون، مثبت فکر اور اخلاقی اقدار کو فروغ دینا ہے۔

ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کی جانب سے اس مفاہمتی یادداشت پر زونل کوآرڈینیٹر شالنی مہروترا نے دستخط کیے۔ اس یادداشت کے تحت یونیورسٹی کیمپس میں ہارٹ فل نیس ریلیکسیشن، میڈیٹیشن، لائف اسکلز، قیادت سازی (لیڈرشپ ڈیولپمنٹ) اور اقدار پر مبنی تعلیم سے متعلق مختلف پروگراموں کا انعقاد کیا جائے گا۔ اس کے ساتھ ساتھ اساتذہ اور انتظامی عملے کے لیے خصوصی تربیتی نشستیں بھی منعقد کی جائیں گی تاکہ وہ ذہنی دباؤ سے نجات اور پیشہ ورانہ توازن حاصل کر سکیں۔ معاہدے کے تحت یونیورسٹی میں ایک باقاعدہ ہارٹ فل نیس کارنر اور میڈیٹیشن پریکٹس روم قائم کیا جائے گا جہاں طلبہ یکسوئی، ذہنی سکون اور مثبت طرزِ فکر کی عملی مشق کر سکیں گے۔ اس اقدام سے نہ صرف طلبہ کو اسٹریس مینجمنٹ اور توجہ میں اضافہ حاصل ہوگا بلکہ تعلیمی ماحول مزید متوازن، نظم و ضبط پر مبنی اور خوشگوار بنے گا۔ اس موقع پر اظہار خیال کرتے ہوئے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے کہا کہ موجودہ دور میں اعلیٰ تعلیم کے ساتھ ساتھ طلبہ کا ذہنی، جذباتی اور اخلاقی طور پر مضبوط ہونا وقت کی ایک اہم ضرورت بن چکا ہے۔ انھوں نے کہا کہ محض ڈگریوں اور تعلیمی اسناد کا حصول ہی کامیاب زندگی کی ضمانت نہیں بلکہ طلبہ میں ذہنی سکون، مثبت سوچ، خود احتسابی، ضبطِ نفس اور انسانی اقدار کا ہونا بھی بے حد ضروری ہے۔ تقریب میں مفاہمت نامے کے نوڈل افسر ڈاکٹر نیرج شکلا، رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار اور ڈین اکیڈمکس پروفیسر ثوبان سعید بھی موجود رہے۔ واضح رہے کہ یہ مفاہمتی یادداشت تین برس کے لیے مؤثر رہے گی جسے باہمی رضامندی سے آئندہ بھی توسیع دی جا سکتی ہے۔

January 2026

خواجہ یونیورسٹی اور ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے درمیان معاہدے پر دستخط

طلبہ کی ہمہ جہت شخصیت سازی کی سمت اہم قدم

لکھنؤ 07 جنوری 2026 آج خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی اور ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے درمیان طلبہ، اساتذہ اور غیر تدریسی عملے کی ذہنی، جذباتی اور اخلاقی نشوونما کو مضبوط اور مستحکم بنانے کے مقصد سے ایک مفاہمتی یادداشت (MoU) پر دستخط کیے گئے۔ اس معاہدے کا مقصد تعلیمی ماحول میں ذہنی سکون، مثبت فکر اور اخلاقی اقدار کو فروغ دینا ہے۔ ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کی جانب سے اس مفاہمتی یادداشت پر زونل کوآرڈینیٹر شالنی مہروترا نے دستخط کیے۔ اس یادداشت کے تحت یونیورسٹی کیمپس میں ہارٹ فل نیس ریلیکسیشن، میڈیٹیشن، لائف اسکلز، قیادت سازی (لیڈرشپ ڈیولپمنٹ) اور اقدار پر مبنی تعلیم سے متعلق مختلف پروگراموں کا انعقاد کیا جائے گا۔ اس کے ساتھ ساتھ اساتذہ اور انتظامی عملے کے لیے خصوصی تربیتی نشستیں بھی منعقد کی جائیں گی تاکہ وہ ذہنی دباؤ سے نجات اور پیشہ ورانہ توازن حاصل کر سکیں۔ معاہدے کے تحت یونیورسٹی میں ایک باقاعدہ ہارٹ فل نیس کارنر اور میڈیٹیشن پریکٹس روم قائم کیا جائے گا جہاں طلبہ یکسوئی، ذہنی سکون اور مثبت طرز فکر کی عملی مشق کر سکیں گے۔ اس اقدام سے نہ صرف طلبہ کو اسٹریس مینجمنٹ اور توجہ میں اضافہ حاصل ہوگا بلکہ تعلیمی ماحول مزید متوازن، نظم و ضبط پر مبنی اور خوشگوار بنے گا۔ اس موقع پر اظہار خیال کرتے ہوئے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے کہا کہ موجودہ دور میں اعلیٰ تعلیم کے ساتھ ساتھ طلبہ کا ذہنی، جذباتی اور اخلاقی طور پر مضبوط ہونا وقت کی ایک اہم ضرورت بن چکا ہے۔ انھوں نے کہا کہ محض ڈگریوں اور تعلیمی اسناد کا حصول ہی کامیاب زندگی کی ضمانت نہیں بلکہ طلبہ میں ذہنی سکون، مثبت سوچ، خود احتسابی، ضبط نفس اور انسانی اقدار کا ہونا بھی بے حد ضروری ہے۔ پروفیسر اجے تنیجا نے مزید کہا کہ آج کے مسابقتی اور تیز رفتار دور میں طلبہ شدید ذہنی دباؤ، بے چینی اور عدم توازن کا شکار ہو رہے ہیں جس کے اثرات ان کی تعلیمی کارکردگی اور شخصیت پر بھی مرتب ہوتے ہیں۔ ایسے میں ہارٹ فل نیس جیسے پروگرام طلبہ کو اندرونی سکون، یکسوئی اور خود آگاہی عطا کرتے ہیں جو انھیں نہ صرف ایک اچھا طالب علم بلکہ ایک ذمہ دار اور باکردار انسان بننے میں مدد دیتے ہیں۔ انھوں نے اس بات پر زور دیا کہ ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے تعاون سے یونیورسٹی میں جو سرگرمیاں شروع کی جا رہی ہیں وہ طلبہ کے کردار سازی، قائدانہ صلاحیتوں اور سماجی شعور کو فروغ دیں گی۔ اس سے طلبہ میں باہمی احترام، رواداری، خدمت خلق اور اخلاقی قدروں کا جذبہ پیدا ہوگا جو ایک صحت مند اور پرامن معاشرے کی تشکیل کے لیے نہایت اہم ہے۔ ہارٹ فل نیس ایجوکیشن ٹرسٹ کے تعاون سے طلبہ میں خود اعتمادی، خود نظم و ضبط اور اعلیٰ انسانی اقدار پروان چڑھیں گی جو انھیں ایک بہتر شہری بننے کی سمت رہنمائی فراہم کریں گی۔ تقریب میں مفاہمت نامے کے نوڈل افسر ڈاکٹر نیرج شکلا، رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار اور ڈین اکیڈمکس پروفیسر ثوبان سعید بھی موجود رہے۔ واضح رہے کہ یہ مفاہمتی یادداشت تین برس کے لیے مؤثر رہے گی اسے باہمی رضامندی سے آگے بھی توسیع دی جا سکتی ہے۔

January 2026

लखनऊ, 8 जनवरी, 2026 दैनिक जागरण

हार्टफुलनेस कार्नर एवं मेडिटेशन प्रैक्टिस रूम की स्थापना

एमओयू के दौरान भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, जोनल कोआर्डिनेटर शालिनी मेहरोत्रा व डा. नीरज शुक्ला • सौ. विश्वविद्यालय

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हार्टफुलनेस कार्नर एवं मेडिटेशन प्रैक्टिस रूम की स्थापना की जाएगी। इससे विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, एकाग्रता वृद्धि एवं सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायता मिलेगी। इस संबंध में बुधवार को विश्वविद्यालय ने हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के साथ एमओयू किया।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों का मानसिक एवं नैतिक रूप से सशक्त होना बहुत जरूरी है। हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से विद्यार्थी आत्म नियंत्रण, आत्मविश्वास एवं जीवन मूल्यों के साथ आगे बढ़ेंगे। इस एमओयू के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन, मेडिटेशन, जीवन कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता संवर्धन तथा मूल्य आधारित शिक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही शिक्षकों एवं प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र भी संचालित किए जाएंगे। एमओयू के अवसर पर नोडल अधिकारी डा. नीरज शुक्ला, कुलसचिव डा. महेश कुमार, प्रो. सौबान सईद एवं डा. राजकुमार भी उपस्थित रहे।

January 2026

हिन्दुस्तान www.livehindustan

हार्टफुलनेस कॉर्नर और मेडिटेशन कमरा बनेगा

- हार्टफुलनेस ट्रस्ट और भाषा विवि में समझौता
- तनाव प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता के सत्र होंगे

लखनऊ, कासं। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों का मानसिक, भावनात्मक एवं नैतिक विकास करना है। इसके साथ ही शिक्षकों एवं प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र भी संचालित किए जाएंगे।

इस समझौते के तहत परिसर में मेडिटेशन प्रैक्टिस रूम और 'हार्टफुलनेस कॉर्नर' की स्थापना की जाएगी। यहां तनाव प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता और मूल्य आधारित शिक्षा के विशेष सत्र आयोजित होंगे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इसे छात्र सशक्तिकरण के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. महेश कुमार और एमओयू नोडल अधिकारी डॉ. नीरज शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

January 2026

भाषा विवि और बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमता एवं कौशल विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (नॉर्दर्न रीजन), कानपुर के मध्य अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को डिग्री अध्ययन के साथ-साथ ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग एवं निर्धारित स्टाइपेंड प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम (एनएटीएस) के अंतर्गत लागू किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि यह समझौता छात्रों को अकादमिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य शिक्षा को उद्योग एवं कौशल से जोड़ना है। कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग (नॉर्दर्न रीजन), कानपुर से उपस्थित विवेक कुमार ने इस अवसर पर कहा कि भाषा विश्वविद्यालय के साथ यह सहयोग विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्रदान करेगा, जिससे वे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अप्रेंटिसशिप आधारित शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता है और यह एमओयू छात्रों के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. सौबान सईद, प्रो. हैदर अली, प्रो. मसूद आलम, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. काज़िम रिज़वी एवं डॉ. नलिनी मिश्र सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

January 2026

भाषा विश्वविद्यालय का आगरा व आज़मगढ़ विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक एमओयू

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने उच्च शिक्षा, शोध और अकादमिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में आगरा स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय तथा आज़मगढ़ की महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत शिक्षण, शोध, फैकल्टी एवं छात्र आदान-प्रदान, संयुक्त शोध परियोजनाओं, सेमिनार, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आपसी सहयोग किया जाएगा।इस अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग से ज्ञान, शोध और नवाचार को नई दिशा मिलती है और यह समझौता शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए नए अवसर सृजित करेगा। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आज़मगढ़ के कुलपति प्रो. संजीव कुमार तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की कुलपति प्रो. आशु रानी उपस्थित

रहीं। भाषा विश्वविद्यालय की ओर से डीन एकेडमिक्स प्रो. सुबान सईद, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार और एमओयू नोडल अधिकारी डॉ. नीरज शुक्ला मौजूद रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह एमओयू भविष्य में संयुक्त अकादमिक गतिविधियों और शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

January 2026

Email Id : Bulandsandesh@gmail.com
दैनिक बुलन्द संदेश

भाषा विश्वविद्यालय का आगरा व आजमगढ़ की विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक एमओयू

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ ने उच्च शिक्षा, शोध एवं अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आगरा स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) तथा आजमगढ़ की महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस एमओयू के अंतर्गत शिक्षण, शोध, फैकल्टी एवं छात्र आदान-प्रदान, संयुक्त शोध परियोजनाएं, सेमिनार, कार्यशालाएं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में आपसी सहयोग किया जाएगा। इससे तीनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक समन्वय को मजबूती मिलेगी और विद्यार्थियों को व्यापक शैक्षणिक अवसर प्राप्त होंगे।

इस अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने कहा कि

शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग से ज्ञान, शोध और नवाचार को नई दिशा मिलती है। यह एमओयू शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए नए अवसर सृजित करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान आजमगढ़ की महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीव कुमार तथा आगरा की डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर आशु रानी भी उपस्थित रहीं।

भाषा विश्वविद्यालय की ओर से इस अवसर पर डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर सुबान सईद, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार एवं एमओयू नोडल अधिकारी डॉ. नीरज शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अधिकारियों ने इस शैक्षणिक साझेदारी को उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलने वाला बताया।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह एमओयू भविष्य में संयुक्त अकादमिक गतिविधियों और शोध कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

January 2026

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ (अवधनामा संवाददाता) ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक उपलब्धियों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी पाकर मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रसन्नता व्यक्त की। मंत्री ने विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

January 2026

हिन्दुस्तान लखनऊ, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 07

भाषा विवि के कुलपति ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने गुरुवार को नववर्ष के अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों और शोध उपलब्धियों के बारे में मंत्री को जानकारी दी वित्त मंत्री ने कुलपति को विश्वविद्यालय को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।